136

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (का.हि.वि.), वाराणसी।

हिन्दी पखवाड़ा (सितंबर 1-15, 2017)

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 01.09.2017 से दिनांक 15.09.2017 तक किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान निम्नलिखित आयोजन किये गए-

1. **हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन:**
   संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा (सितंबर 1-15, 2017) के अंतर्गत **दिनांक 01.09.2017** को एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में हिन्दी पखवाड़ा के उद्घाटन समारोह का आयोजित किया गया। समारोह का उदघाटन संस्थान के निदेशक आचार्य राजीव संगल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव ने वर्ष 2016-17 के दौरान हिन्दी में किए गये कार्यों की आख्या प्रस्तुत की। इस अवसर पर निदेशक महोदय द्वारा संस्थान कर्मचारियों को कार्यालयी कार्य अधिकाधिक हिन्दी में करने हेतु अपील जारी की गयी। साथ ही श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केंद्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, वाराणसी द्वारा प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति एवं उसके कार्यान्वयन के बारे में बताया गया।

2. **"उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास में राजभाषा हिन्दी का योगदान एवं चुनौतियाँ" विषय पर निबंध प्रतियोगिता:**

   दिनांक 01.09.2017 से 08.09.2017 के मध्य "उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास में राजभाषा हिन्दी का योगदान एवं चुनौतियाँ" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन निम्नलिखित चार वर्गों में किया गया :

   क) पूर्व छात्र
   ख) शैक्षणिक
   ग) गैर-शैक्षणिक
   घ) विद्यार्थी

   पूर्व छात्र हेतु निबंध प्रतियोगिता हेतु अधिष्ठाता (पूर्व छात्र), शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये प्रतियोगिता हेतु समस्त विभाग व अनुभाग तथा विद्यार्थी के लिए अधिष्ठाता (छात्र कार्य) से अनुरोध किया गया। उक्त प्रतियोगिता हेतु 3 छात्रों एवं 7 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के निबंध प्राप्त हुए।

3. **हिन्दी की पुस्तकों की प्रदर्शनी:**
   दिनांक 04.09.2017 को संस्थान के मुख्य पुस्तकालय में हिन्दी की पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उक्त प्रदर्शनी संस्थान के छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुई।

4. **हिन्दी टिप्पण लेखन एवं पत्राचार प्रतियोगिता:**

दिनांक 06.09.2017 को हिन्दी टिप्पण लेखन एवं पत्राचार प्रतियोगिता का आयोजन एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में किया गया, जिसमें कुल 19 गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

5. **कंप्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने हेतु एक-दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन:**

दिनांक 08.09.2017 को कंप्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने हेतु एक-दिवसीय तकनीकी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में श्री राजेन्द्र प्रसाद वर्मा जी ने संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों को कंप्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय करना, मंत्र-राजभाषा अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद सॉफ्टवेयर का परिचय, अनुवाद के संदर्भ में एमएस वर्ड में वर्तनी की शुद्धता की जाँच करने की सुविधा, श्रुतलेखन-राजभाषा स्पीच टू टेक्स्ट सॉफ्टवेयर का परिचय, मोबाइल फोन में बोलकर टाइप करने, स्कैन डाक्यूमेंट का अनुवाद करने, स्क्रीन पर हाथ से लिखने, मोबाइल में बोलकर डाक्यूमेंट रूप में कंप्यूटर में टाइप करने की सुविधा, टेक्स्ट टू स्पीच सॉफ्टवेयर का परिचय आदि के बारे में बताया।

इस कार्यशाला में संस्थान के कुल 69 अधिकारी/कर्मचारीगण ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

6. **यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता:**

दिनांक 11.09.2017 को संस्थान के प्रथम वर्ष संगणक प्रयोगशाला, यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग में यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल 22 गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने भाग लिया।

7. **हिन्दी दिवस समारोह:**

दिनांक 14.09.2017 को संस्थान में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन एनी बेसेंट व्याख्यान कक्ष संकुल में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पं0 मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भेषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं अध्यक्ष, हिन्दी पखवाड़ा समिति ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों एवं सहभागियों के लिए स्वागत संबोधन प्रस्तुत किया।

कुलसचिव महोदय ने हिन्दी पखवाड़ा की अवधि में संस्थान में दिनांक 01.09.2017 से 14.09.2017 के मध्य आयोजित कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं की आख्या प्रस्तुत की।

तत्पश्चात आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव ने माननीय गृह मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर जारी संदेश का पठन किया।

प्रशासनिक शब्दावली ऐप की लांचिंग

संस्थान के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विकसित 'प्रशासनिक शब्दावली' का एंड्रायड शब्दकोश ऐप की लांचिंग की गयी। इस ऐप का उद्देश्य कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देना, इंटरनेट पर निर्भरता को कम करना एवं अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी अनुवाद तथा उच्चारण की जानकारी उपलब्ध कराना है।

पुरस्कार वितरण

निदेशक महोदय ने दिनांक 01.09.2017 से दिनांक 11.09.2017 के मध्य आयोजित सभी प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय निम्नलिखित विजेता कर्मचारियों/विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया :

- दिनांक 06.09.2017 को आयोजित हिन्दी टिप्पण लेखन एवं पत्राचार प्रतियोगिता में प्रथम श्री संदीप प्रजापति, द्वितीय श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव एवं तृतीय श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव को पुरस्कृत किया गया।
- दिनांक 11.09.2017 को आयोजित यूनिकोड के माध्यम से हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में प्रथम श्री जी जगन मोहन, द्वितीय श्री संदीप प्रजापति एवं तृतीय श्री अंकित जैन को पुरस्कृत किया गया।
- दिनांक 01.09.2017 से दिनांक 08.09.2017 के मध्य आयोजित "उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास में राजभाषा हिन्दी का योगदान एवं चुनौतियाँ" विषय पर निबंध प्रतियोगिता के विद्यार्थी वर्ग में प्रथम श्री अनिकेत सचान, तृतीय वर्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग, द्वितीय सुश्री रूपाली घरात, प्रथम वर्ष, सिरामिक अभियांत्रिकी विभाग एवं तृतीय श्री विकास पाण्डेय, चतुर्थ वर्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग को पुरस्कृत किया गया।
- उक्त प्रतियोगिता के गैर-शैक्षणिक कर्मचारी वर्ग में प्रथम श्री ओंकार, द्वितीय श्री सिद्धार्थ कुमार गुप्ता एवं तृतीय श्री संदीप प्रजापति को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक महोदय ने अपना संबोधन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने हिन्दी भाषा को सरल एवं सक्षम बताया तथा हिन्दी भाषा के व्याकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने की अपील की।

हिन्दी दिवस समारोह के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से जुड़े दो आमंत्रित अतिथि वक्ताओं डॉ. सुरेश प्रसाद व्यास, पूर्व कुलपति, डा. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश व प्रो. रमाशंकर दुबे, पूर्व कुलपति, तिलका मांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार तथा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा हिन्दी में व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. सुरेश प्रसाद व्यास ने हिन्दी को एक सशक्त भाषा बताया तथा चिंतन व दर्शन के क्षेत्र में हिन्दी की महत्ता बतायी। उन्होंने विज्ञान से जुड़े कई तथ्यों को हिन्दी में प्रस्तुत किया एवं उपस्थित लोगों को उन तथ्यों से अवगत कराया। प्रो. रमाशंकर दुबे ने बताया कि हिन्दी का प्रचलन विदेशों में काफी

बढ़ा है। हिन्दी बोलचाल, व्यापार एवं शिक्षा की भाषा है। चूंकि मौलिक चिंतन अपनी भाषा में ही होता है अतः ज्ञान, विज्ञान एवं न्यायालय की भाषा हिन्दी हो। हिन्दी एक ऐसी भाषा है जो जैसी बोली जाती है वैसी लिखी जाती है।

कार्यक्रम का समापन संस्थान के संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) श्री राजन श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।